News item/letter/article/editorial published on June 29.06.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

09 • नई दिल्ली • सोमवार • 29 जून 2015 • हिन्दुस्तान

जुलाई-अगस्त में कम होगी बारिश

पूर्वानुमान

नई दिल्ली | एजेंसियां

देश के कई इलाकों में पूर्वाअनुमानों के विपरीत जून में औसत से अधिक बारिश हुई है। लेकिन आने वाले महीनों में स्थिति बिगड़ सकती है। मौसम विभाग ने अगले दो महीने में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान जताया है।

इसके मद्देनजर कृषि मंत्रालय को आकस्मिक योजना के साथ तैयार रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के महानिदेशक लक्ष्मण सिंह राठौर के मुताबिक जुलाई और अगस्त में क्रमशः 8 और 10 फीसदी कम बारिश हो सकती है।

लेकिन इनका दावा ठीक उलट : निजी मौसम भविष्यवाणी एजेंसी स्काईमेट ने जुलाई में सामान्य से अधिक (104 फीसदी), अगस्त में (99 फीसदी) और सितंबर में (96 फीसदी) सामान्य बारिश की संभावना व्यक्त की है। वहीं, मौसम विभाग ने इस साल सामान्य की तुलना में 88 फीसदी बारिश होने का अनुमान जताया है।

यहां राहत भी मिली : मौसम विभाग ने दावा किया है कि 28 जून तक देश में सामान्य से 19 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। इस दौरान सामान्य बारिश का रिकॉर्ड 148 मिमी का है, जबकि अब तक 176 मिलीमीटर पानी बरस चुका है। मौसम विभाग के महानिदेशक लक्ष्मण सिंह राठौर ने बताया, यह राहत की बात है कि मानसून पूर्व की बारिश से कुछ जलाशय भर गए हैं। जून में काफी अच्छी बारिश हुई थी जो बुआई का महीना था।

विभाग ने सलाह भी दी

राठौर ने किसानों से मौसम की भविष्यवाणी को ध्यान में रखकर अपनी फसल चुनने को कहा है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, जिस क्षेत्र में आमतौर पर 100 से 110 मिलीमीटर बारिश होती है, उसमें सिर्फ 60 से 70 मिमी बारिश हुई है इसलिए वहां के किसानों को धान की जगह मक्का को उगाना चाहिए।

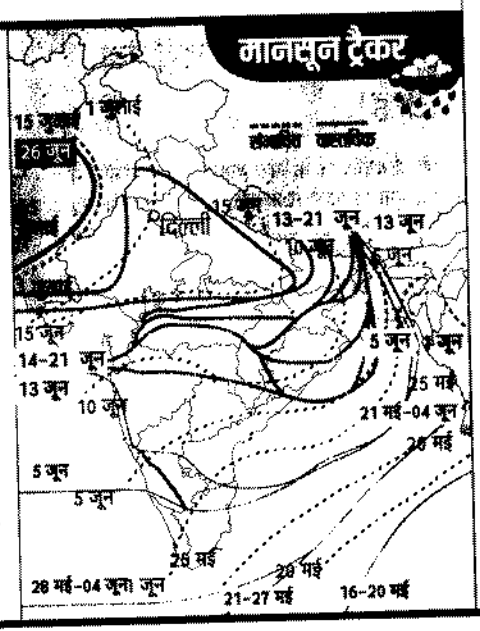

मानसून ट्रैकर

मौसम से इस साल हजारों मौतें अल नीनो से बढ़ेगी मुश्किलें

2015 के पूर्वार्द्ध में मौसम की अति से दुनियाभर में हजारों मौतें हुई हैं। अब विज्ञानियों को अल नीनो का डर सता रहा है। इसकी वजह से कहीं सूखा, कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन, कहीं खाद्य की कमी, कहीं जंगल में आग लगने की स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

अल-नीनो हो रहा मजबूत

आस्ट्रेलियाई विज्ञानी चेतावनी दे चुके हैं कि प्रशांत महासागर में अल-नीनो की शुरुआत मई में हो चुकी है। आज ही फिजी मौसम विभाग ने कहा कि अल-नीनो लगातार मजबूत हो रहा है। इसका असर 2015 के अंत तक रहेगा। प्रशांत महासागर में मौसम की यह स्थिति हर कुछ साल में बनती है।

मौसम की उलट-पुलट

अल-नीनो प्रशांत महासागर में सामान्य से अधिक तापमान के कारण होता है। इसके कारण प्रशांत क्षेत्र में शक्तिशाली समुद्री तूफान आ सकते हैं। इससे 2012 की तरह यूरोप में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। यूके में तब दशकों में ऐसी ठंड नहीं पड़ी थी। इससे कई मौतें हुई थी। इससे खेती को नुकसान होगा। लिहाजा चावल, कॉफी और चीनी के दाम बढ़ने की आशंका है।

जलवायु परिवर्तन का असर

यह भी कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मारक लू चलेगी। बाढ़, तूफान भी आएंगे। पाकिस्तान में 1200 लोगों की मौत लू से हो चुकी है। सिंध और कराची में 40 डिग्री सेल्शियस तापमान और बिजली गुल रहने से हालात विकट रहे। (हिटी)

News item/letter/article/editorial published on June 29, 2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

आफत : दिल्ली में पांच दिन और सताएगी गर्मी

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता हि- भविष्यवाणी २9-6-15

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब और हरियाणा समेत उत्तर-पश्चिम भारत में अगले पांच दिन और गर्मी सताएगी। मौसम विभाग के मुताबिक देश में मानसून की बारिश का दूसरा दौर 3 जुलाई के बाद ही शुरू होने का अनुमान है। तब तक तापमान बढ़ने की संभावना जताई गई है।

दो-तीन डिग्री बढ़ सकता है तापमानः मौसम विभाग की मानें तो उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में वृद्धि की संभावना है। अभी तापमान सामान्य के करीब है, जो दो-तीन डिग्री तक बढ़ सकता है। हालांकि, यह बढ़ोतरी इतनी ज्यादा भी नहीं होगी कि जिससे स्थानीय स्तर पर आंधी-तूफान आ सकें

- **3 जुलाई के बाद मानसूनी बारिश का दूसरा दौर शुरू होगा**
- **पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी तापमान बढ़ेगा**

और बारिश हो। मौसम विभाग के अनुसार 3 जुलाई के बाद स्थितियां बदलेंगी और मानसून सक्रिय हो सकता है।

बिहार-झारखंड में बारिश : मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर से गुजरात के ऊपर होते हुए एक निम्न दबाव का क्षेत्र बिहार और झारखंड की तरफ बढ़ा है। इससे पिछले 24 घंटों में बिहार और झारखंड में अच्छी बारिश हुई है।

➤ **कम होगी बारिश पेज 09**

News item/letter/article/editorial published on June - 29.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

सांबा में बाढ़ रोकने के लिए जरूरी उपाय

पंजाब - 29-6-15

मंत्री ने किया दौरा

देवाल और बसंतेर नदियों के आसपास बाढ़ सुरक्षा उपायों का भी किया निरीक्षण

जम्मू, (भाषा): मानसून के समीप आने पर जम्मू कश्मीर के मंत्री चंद्र प्रकाश गंगा ने सांबा जिले में बाढ़ सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करने के लिए आज जिले का दौरा किया। पिछले साल बाढ़ ने यहां बहुत बुरा असर डाला था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कल रामगढ़ तहसील के अग्रिम गांवों में गए और उन्होंने देवाल एवं बसंतेर नदियों के आसपास किए गए बाढ़ सुरक्षा उपायों का निरीक्षण किया। वह कौलपुर, काममोर और बाढ़ से प्रभावित अन्य गांवों में भी गए। पिछले साल इन नदियों के तटबंध टूटने से ये गांव बाढ़ से प्रभावित हुए थे। मंत्री के साथ सांबा के उपायुक्त शीतल नंदा और अन्य अधिकारी थे। कौलपुर गांव के ग्रामीणों ने मंत्री की स्थिति के बारे में बताया और उनसे पिछले साल जैसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि देवाक और बसंतेर से सटे कौलपुर, खानपुर, रतनपुर, रंगूर, रंगूर कैंप, बरोटा, केसो, और कामोर गांवों में बाढ़ की बड़ी आशंका है तथा तत्काल सुरक्षा उपाय की जरूरत है। मंत्री ने बाढ़ नियंत्रण विभाग को जरूरी उपाय करने का निर्देश दिया।

News item/letter/article/editorial published on Tue - 29.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पंजाब

असम और पश्चिम बंगाल में भूकंप के झटके

-29-6-15

गुवाहाटी, (वार्ता): असम और पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्रों में आज सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। मौसम विभाग के अनुसार सुबह छह बजकर 35 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.6 मापी गई। भूकंप के कारण पश्चिमी असम में दो लोग घायल हो गए और कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। भूकंप से कोकराझार जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि भूकंप का केन्द्र 26.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 90.1 डिग्री पूर्वी देशांतर जमीन से दस किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के कारण राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान हुआ है। बोनगाईगांव स्थित काली मंदिर की दीवार में भी दरार पड़ गयी है और गोपालपाड़ा उपायुक्त कार्यालय की दीवारों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण राज्य भर में जान माल की कितना नुकसान हुआ है इसका अभी आधिकारिक तौर पर आकलन नहीं किया जा सका है।

News item/letter/article/editorial published on June 24, 2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पंजाब - 24-6-15

हरियाणा में सरस्वती नदी पर शोध संस्थान और संग्रहालय बनाया जाएगा

सराहनीय फैसला

योजना के द्वारा आवंटित किए जाएंगे 20 करोड़

नई दिल्ली, (भाषा): केंद्र पौराणिक सरस्वती नदी के बारे में अध्ययन करने के लिए हरियाणा में एक शोध संस्थान एवं संग्रहालय की स्थापना करेगा। पर्यटन मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि हरियाणा में एक कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री महेश शर्मा की मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात के बाद इस आशय का निर्णय लिया गया। सूत्रों ने बताया कि इस संस्थान की स्थापना यमुनानगर जिले के मुगालवली गांव में कृष्णा सर्किट के तहत की जायेगी जिसके लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की तीर्थाटन पुनर्जीवन एवं आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान योजना के जरिए 20 करोड़ रुपए आवंटित किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पर्यटन मंत्रालय इस संग्रहालय की स्थापना में मदद करेगा। पौराणिक नदी सरस्वती का पूर्व में यमुना जैसर हिमालयी नदियों और पश्चिम में सतलुज से संबंध रहा है।

News item/letter/article/editorial published on June 29.6.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

नासा की रिपोर्ट › दिल्ली, हैदराबाद समेत देश के छह शहरों पर किया अध्ययन

पत्रिका - 29-6-15

वर्षा जल संचय से बचत के साथ बनेगी सेहत

@पत्रिका
patrika.com/india

मानूसन पूरे देश में दस्तक दे चुका है। बारिश के पानी को संचय करने की बात भी हम लंबे समय से करते आ रहे हैं, हम आपको यह कहें कि इससे न सिर्फ पानी की समस्या का हल कर सकते हैं बल्कि हर साल हजारों रुपये भी बचा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने नासा व जापान की एरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के बीच संयुक्त अभियान उष्णकटिबंधीय वर्षा जल आकलन मिशन के आंकड़ों पर आधारित रिसर्च में यह भी पाया है कि बारिश के पानी की सिंचाई से सब्जियों व फसलों में पौष्टिक तत्व ज्यादा होंगे। इसमें 1997 और 2015 के बीच वर्षा जल का आकलन किया है।

कम से कम 4500 रुपए की बचत

एक साल आप यदि इसमें पैसा लगाते हैं, तो इससे होने वाली सब्जी की सिंचाई पर हर साल 1,548 से 3,261 रुपए का कम से कम लाभ हो सकता है। वहीं अन्य माध्यमों से 4,522 रुपए की बचत हो सकती है।

20 फीसदी जरूरतें होंगी पूरी

वर्षा जल संचय से 20 फीसदी पानी की जरूरतों को कम किया जा सकेगा। बारिश के मौसम में यह मात्रा और बढ़ जाती है। 'अर्बन वाटर जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि इससे पैसा बचेगा और जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी।

छह शहरों में अध्ययन

शोधकर्ताओं ने दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, श्रीनगर समेत छह शहरों में साल 1997 से 2011 तक के हर तीन घंटे में पानी की मांग और जलापूर्ति के डाटा का अध्ययन किया। सामान्य व्यक्ति को दिनभर में 35 गैलन पानी की आवश्यकता होती है। पांच सदस्यीय परिवार दिनभर में 178 गैलन पानी उपयोग में लेता है, 215 वर्ग फुट के सब्जियों वाले भू-भाग की सिंचाई में इससे कम पानी लगता है।

वर्षा के जल संग्रहण का सरल तरीका

यूटाह यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में रिसर्च असिस्टेंट डेन स्टोउट के मुताबिक भारत को अपने सभी लोगों को पीने योग्य पानी मुहैया कराने में दिक्कतें आती हैं। इसे ध्यान में रखकर उन्होंने छोटे टैंक में जल संग्रह पर विचार किया, इससे यह बात सामने आई कि भारतीय लोग सरल और सहज तरीके से बारिश का पानी संग्रह कर सकते हैं। वर्षा जल संचय कोई नई अवधारणा नहीं है, लेकिन अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि भारत में इस संसाधन का ज्यादा अच्छे तरीके से उपयोग नहीं हुआ है। नये अध्ययन में टीम ने इस संभावना को खंगाला कि क्या भारतीय सस्ते 200 गैलन टैंक को घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में लगा सकते हैं।

1997 और 2015 के बीच वर्षा जल का किया आकलन

देश

- 5177 क्यूबिक मीटर प्रति व्यक्ति पानी उपलब्ध था 1951 में
- 1545 क्यूबिक मीटर प्रति व्यक्ति पानी बचा 2011 में
- 16 फीसदी दुनिया का हिस्सा है भारत में
- 4 % ही दुनिया के जल संसाधन है भारत के पास
- 1340 क्यूबिक मीटर प्रति व्यक्ति पानी ही बचेगा 2025 तक
- 90 फीसदी नदियों का 'वेस्ट वाटर' पर्यावरण की कसौटी पर खरा नहीं

कम बारिश के आसार

नई दिल्ली . जून में अब तक सामान्य से 28 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है, पर अगले दो माह बारिश का दौर ऐसा नहीं रहेगा। मौसम विभाग द्वारा रविवार को जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान में कहा गया है कि जुलाई और अगस्त में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। विभाग ने कृषि मंत्रालय को सलाह दी है कि वह इन दो माह के लिए आकस्मिक योजना बना ले। मौसम विभाग के के मुताबिक अगले दो माह में सिर्फ आठ से दस फीसदी ही बारिश हो सकती है।

मरुभूमि

- 650 क्यूबिक मीटर पानी प्रति व्यक्ति उपलब्ध था राजस्थान में 2010 में
- सभी जिलों मे भूजल का स्तर खतरे के निशान से नीचे
- 172 ब्लॉक (कुल 243) से क्षमता से अधिक जलदोहन
- 10 फीसदी नदियों का पानी ग्रामीण क्षेत्र, 20 फीसदी शहरी क्षेत्र में उपलब्ध
- 10 साल के भीतर राजस्थान की धरती से भूजल खत्म होने की आशंका

News item/letter/article/editorial published on June - 29.6.2015 in the

Hindustan Times ✓
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

MONSOON MISERY

IMD forecasts below normal rainfall in July and August

PREOICTION Rain may be deficient by 8-10%, agri ministry asked to ready contingency measures

Press Trust of India
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Notwithstanding the plentiful rainfall in June, the Indian Meteorological Department (IMD) has forecast less than normal precipitation over the next two months and advised the agriculture ministry to keep ready a contingency plan.

According to Laxman Singh Rathore, director general of the IMD, rainfall could be deficient by 8-10% in July and August respectively.

"June has received a good amount of rainfall. It was also sowing season. But then we should not be complacent and there should be a contingency plan in place as July and August may not have as good rainfall as June.

"There is, however, some respite as the pre-monsoon showers have helped fill up reservoirs to some extent. There was good rainfall in June, which is a crucial month for sowing," Rathore said.

However, Skymet, a private weather forecasting agency, has predicted "above normal" rainfall (104%) in July, "normal" rainfall (99%) in August and (96%) in September. Anything less than 90% of Long Period Average (LPA) is considered as 'deficient' rainfall, 90-96% is 'below normal', 96-104% 'normal', 104 to 110% is above normal and anything over it is 'excess'.

The IMD has predicted 88% normal rainfall this year, which is "deficient". Many parts, especially north-west India, may witness deficient monsoon. However, June received 28% more than normal rainfall.

■ Scores of pilgrims wait to be airlifted out of the danger areas at a helipad near Chamoli district of Uttarakhand on Sunday. VINAY SANTOSH KUMAR / HT PHOTO

THOUSANDS OF PILGRIMS RESCUED FROM U'KHAND

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Authorities rescued over 1,000 religious devotees stranded in Uttarakhand on Sunday after torrential rains last week sparked floods and landslides in the hill state, prompting the administration to suspend an annual pilgrimage to the famous Kedarnath temple till the end of the month.

The state disaster management agency predicted it would take at least a week to restore road connectivity after about half a dozen bridges were either washed away or damaged by the deluge, though chief minister Harish Rawat insisted the pilgrimage was progressing smoothly.

"No pilgrim is trapped anywhere on the yatra route. The government is fully prepared and all the necessary arrangements have been made to ensure smooth conduct of the yatra," he said, clarifying that some pilgrims were relocated to safer areas following heavy rain.

About a thousand devotees have so far been evacuated to Joshimath city with helicopters and other vehicles pressed into service, sources say, while a pilgrimage to the Sikh shrine Hemkund Sahib has been suspended after a bridge along the trek route was destroyed.

News item/letter/article/editorial published on June-27.6.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.) ✓
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Will tweaked microbes make Mars Earth-like?

US Agency Aims To Alter Climate Of Red Planet

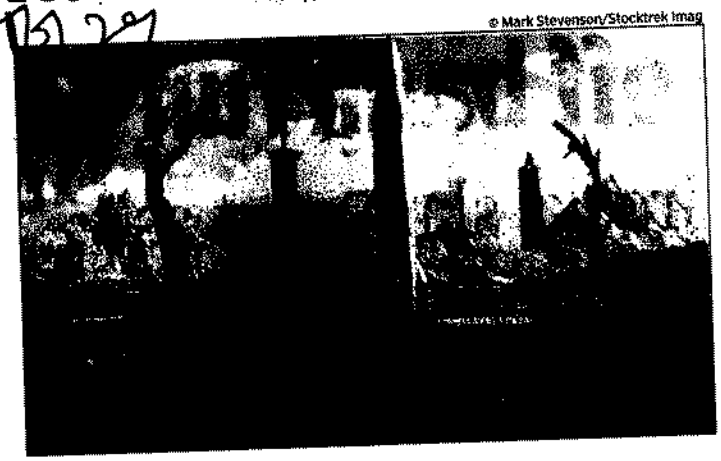

© Mark Stevenson/Stocktrek Imag

DESIGN TO TERRAFORM

Washington: US defence scientists are planning to use genetically engineered algae, bacteria and plants to radically transform the climate of Mars and terraform it into an Earth-like planet.

Scientists from Defense Advanced Research Projects Agency (DARPA) aim to warm up and potentially thicken Mars' atmosphere by growing green, photosynthesising plants, bacteria, and algae on the barren surface of the red planet. "For the first time, we have the technological toolkit to transform not just hostile places here on Earth, but to go into space and stay," Alicia Jackson, deputy director of DARPA's new Biological Technologies Office said.

Since last year, Jackson's lab has been working on the process to genetically engineer organisms of all types, not just e-coli and yeast, which are mostly used in synthetic biology projects.

"Out of 30 million to 30 billion organisms on Earth, we use two right now for engineering biology," she said. DARPA and some of its researchers have created a software called DTA GView, which Jackson calls the 'Google Maps of genomes', in which genomes of several organisms can be pulled up on the programme, which shows a list of known genes and where they are located in the genome.

"This torrent of genomic data we're now collecting is awesome, except they sit in databases, where they remain data, not knowledge. Very little genetic information we have is actionable," she said.

The goal is to pick and choose the best genes from whatever form of life we want and to edit them into other forms of life to create something entirely new. This will probably first happen in bacteria and other microorganisms, but the goal is to do this with more complex, multicellular organisms in the future.

DARPA plans to use specifically engineered organisms to help repair environmental damage. Jackson said after a natural or man-made disaster, it would be possible to engineer new types of extremophile organisms capable of surviving in a scarred wasteland. As those organisms photosynthesised and thrived would naturally bring that environment back to health, she said. PTI

News item/letter/article/editorial published on June 29th 2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

IMD forecasts less than normal rainfall in July, Aug

Rains Could Be Deficient By 8% And 10% In Next 2 Months

TNN & Agencies

New Delhi: After plentiful rains in June, the Met department expects less than normal precipitation over the next two months and has advised the agriculture ministry to keep a contingency plan ready.

According to Laxman Singh Rathore, director general of the India Meteorological Department, rainfall could be deficient by 8% and 10% in July and August, respectively.

"June has received a good amount of rainfall. It was also a sowing season. But then we should not be complacent and there should be a contingency plan in place as July and August may not have as good rainfall as June," he said.

Rathore added that there was some respite because pre-monsoon showers had helped fill up reservoirs to some extent.

Women ploughing a field at a village in Nagpur after heavy rainfall

Monsoon has started slipping into a weak phase after more than two weeks of bountiful rains that were mainly concentrated in central and south India. The countrywide monsoon surplus in June, which stood at 28% on Thursday, was down to 19% by Sunday.

Weather website Accuweather said monsoon's weak phase could carry into at least the middle of July as the effects of El Nino take hold. "July rainfall will end up being below normal across India, except along the southwestern and northeastern coasts," an Accuweather meteorologist said.

IMD, India's official weather forecaster, has raised the spectre of a drought this year, predicting a "deficient" monsoon this year with rains pegged at 88% of normal. The outlook for northwest India is bleaker, with IMD saying the region could see a 15% shortfall in rains.

However, Skymet, a private weather forecasting agency, has predicted normal rainfall (104%) in July and August (99%).

Rathore advised farmers to choose their crops wisely after a careful look at the weather forecast. "For instance, a region which usually gets 100-110 mm of rainfall, receives only 60-70 mm should go for maize instead of paddy," he said.

News item/letter/article/editorial published on June 29.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Stop use of fresh water to save river, NGT panel

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: An expert committee constituted by the National Green Tribunal (NGT) has suggested that use of fresh water should be prohibited and made an offence so that a minimum ecological flow can be maintained in Yamuna.

This is one of the many suggestions that the committee headed by Shashi Shekhar, secretary in the ministry of water resources has suggested. Now the committee is also holding meetings with the state governments of Haryana, Uttar Pradesh, Rajasthan, Himachal Pradesh and Delhi to arrive at what should be the optimum ecological flow in the river and how it can be ensured.

ECOLOGICAL FLOW

Ecological flow is the quality, quantity, and timing of water flows required to maintain life in aquatic ecosystems in the river. The committee was constituted by NGT on January 13 to work out how ecological flow can be maintained in the Delhi stretch of Yamuna which has hardly any fresh water flowing through it.

It has also recommended that in all the urban towns along the river, treated sewage water must be supplied for industrial processes, railway and bus cleaning, fire-fighting, city parks, construction activities instead of fresh water. "This will save significant amount of fresh water ," the committee said in its proposal to the tribunal.

Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on June 07.06.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Haryana govt yet to release water in Yamuna

Jayashree.Nandi
@timesgroup.com

New Delhi: The Haryana government has not discharged the 10 cumecs at Hathnikund barrage it had been asked to release "immediately" a fortnight ago by the National Green Tribunal to ensure ecological flow in Yamuna.

The NGT order was part of an interim plan to moisten the riverbed with fresh water until experts can come up with a strategy on how the ideal ecological flow of 70 cumecs can be achieved.

As of now, the sewage-filled river has virtually no fresh water flow of its own. A minimum flow is required by the river to resume all its ecological functions including recharging its aquifers and ensuring that riparian flora and fauna survive.

However, officials at the Haryana irrigation and water resources department are "still considering this idea", while some others said they are already releasing about four cumecs at Hathnikund and are unaware they are supposed to release more.

"We are releasing 160 cusecs at Hathnikund. I don't think we can release more water there," said an official. "We are considering the idea. But a final decision will be taken by NGT's principal committee," said another.

The NGT has constituted a principal committee headed by Shashi Shekhar, secretary, ministry of water resources, to determine what should be the ecological flow in the river from Hathnikund to Wazirabad, a stretch of 224km. It directed the committee to take into consideration development activities and other factors affecting the state's share of water but give "utmost importance" to lessening pollution in Yamuna.

While these details are being worked out, it directed the Haryana government to release 10 cumecs or 353 cusecs at Hathnikund as an interim plan. "This should be in addition to any seepage", it said.

Experts who were eagerly awaiting Haryana to supply fresh water at Hathnikund said the officials are in gross violation of the NGT order. "The Haryana government should have started releasing 10 cumecs day after the order," said Manoj Misra, petitioner in the matter. He added 10 cumecs is too little to ensure a natural flow until Wazirabad but can breathe some life into the dead river.

Delhi Jal Board official too, said it's not difficult for Haryana to release 10 cumecs as it doesn't involve any major rationing of drinking water or irrigation requirements. "Haryana claims it is releasing little over four cumecs at Hathnikund and an equal amount into Najafgarh drain. Why release part of the fresh water in a polluted stretch like Najafgarh drain?" said an official.

As per a 1994 MoU between Haryana, Delhi, Uttar Pradesh and Himachal Pradesh 12 billion cubic metres of fresh water in upper Yamuna basin is shared in a way that only 0.1 BCM is left as flow —too meagre to sustain any life in the river.

GREEN PANEL'S DIRECTIVES

NGT ordered the Haryana government to release 10 cumecs of water into the Yamuna at Hathnikund barrage and maintain the ecological flow till Wazirabad

- Release of water should be without any prejudice according to the agreement between the states
- The water released should be in addition to seepage, if any
- The principal committee will hear all states and determine what should be the ideal ecological flow from Hathnikund to Wazirabad up to Agra

News item/letter/article/editorial published on June 29.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) ✓	The Hindu	Indian Nation
Indian Express ✓	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

In Allahabad on Sunday. Torrential rain in UP forced the PM to cancel a trip to Varanasi. *PTI*

Why June's excess rainfall means so little to monsoon

NISHA NAMBIAR
PUNE, JUNE 28

ALTHOUGH THE June rainfall is in surplus, it's only for the month. The Met department has cautioned that the El Nino effect will tell on July rainfall. It has forecast 92 per cent in July and 90 per cent for August with an error of 9 per cent either way. Deficits then would be more significant, for July delivers over a third of the rainy season's total precipitation, compared to less than a fifth in June.

"We have already issued a forecast for July and August and El Nino is definitely going to affect the rainfall," said a Met department official.

SkyMet, a private forecasting agency, however, differed with the Met office prediction. It has issued a forecast on its website for "above normal" rainfall (104 per cent in July) and normal rainfall (99 per cent) in August and (96 per cent in September).

Anything less than 90 per cent of the long-term average is considered deficient rainfall. 90-96 per cent is below normal, 96-104 is normal and 104-110 is above normal and anything above that excess.

However, this year, the monsoon covered the entire country including West Rajasthan by June 26. Monsoon 2015, after hitting Kerala a few days behind schedule on June 5, made sluggish progress in the initial days, the reason being Cyclone Ashobaa, before gaining strength thereafter.

NORMAL DISTRIBUTION

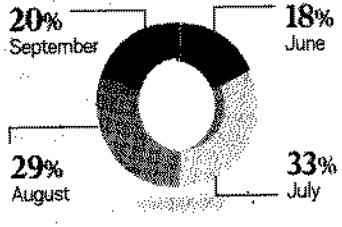

Normal monsoon rainfall: **89 cm**

THIS MONTH

June so far	172 mm
Normal	140 mm
June excess	23%

What the excess means to the big picture:
3½% of 89 cm normal monsoon rains

News item/letter/article/editorial published on Mon. 29.06.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu ✓
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

East should lead next Green Revolution: Modi

HAZARIBAGH: Prime Minister Narendra Modi on Sunday called for a second Green Revolution, saying it should start immediately from eastern India.

He said the agriculture sector had been lagging in several areas including inputs, irrigation, value addition and market linkages, and his government was committed to modernising the sector and making it more productive.

"We have seen the first Green Revolution, but it happened several years ago. Now it is the demand of time that there should be a second Green Revolution without any delay. And where is it possible? It is possible in eastern Uttar Pradesh, Bihar, West Bengal, Jharkhand, Assam, Odhisa," Mr. Modi said while laying the foundation stone of the Indian Agricultural Research Institute at Barhi.

"That is why the government is focussing on the development of this area. For that, we have started this research institute," he said.

He said urea plants in this area had been closed, and a decision had been taken to reopen them as farmers would need fertilizers.

Emphasising the need for scientific methods for farming to increase productivity, Mr. Modi said, "Unless we prepare a balanced and a comprehensive integrated plan, we will not be able to change the lives of farmers."

Pitching for "per drop, more crop," Mr. Modi stressed the need for research in the field of agriculture to determine the health of soil and its needs in terms of seeds, water quantity, amount of fertilizers and so on.

He said the government was taking steps to train youth in soil testing so that such labs could be set up on the pattern of pathological labs for humans. "This will also lead to job creation," he said.

Prime Minister Narendra Modi at a function to lay the foundation stone of the Indian Agricultural Research Institute at Barhi in Jharkhand on Sunday. Union Minister of State for Finance Jayant Sinha (right), and Jharkhand Governor Draupadi Murmu are also seen. – PHOTO: MANOB CHOWDHURY

Pulses production

Turning to pulses, he said India needed to import these because of a shortfall in production, and noted that a special package had been given to farmers engaged in cultivation of pulses.

"The production of pulses in the country is very low and I urge farmers that if they have five acres of farming land, use four acres for other crops but cultivate pulses on at least one acre," Mr. Modi said. – PTI

News item/letter/article/editorial published on June-29.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Quake rocks Assam, Meghalaya, Bengal

GUWAHATI: An earthquake of moderate intensity of 5.6 on the Richter Scale rocked Assam, Meghalaya, West Bengal besides Bhutan on Sunday leaving three injured and a lion sculpture of an ancient temple damaged.

India Meteorological Department officials said the quake shook Assam, including its capital Guwahati, Meghalaya, West Bengal and neighbouring Bhutan at 6.35 a.m.

The epicentre of the tremor was in Kokrajhar at a depth of 10 km on latitude 26.5 degree north and longitude 90.1 degree east, they said.

"We have got information that three persons sustained minor injuries when an old wall collapsed near the Kokrajhar Railway station," Assam State Disaster Management Authority Chief Executive Officer Pramod Kumar Tiwari said.

All the injured were vegetable vendors and are being treated now, he said.

"A lion sculpture at an ancient temple in Chirang district fell off its stand during the shock. District officials have visited the place and further information is awaited," Mr. Tiwari said. - PTI

Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

725(A), North,Sewa Bhawan,
R.K. Puram, New Delhi – 66.

Dated 29.6.15

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

S Mehrotra 29.6.15
Assistant Director (publicity)

Encl: As stated above.

Editor, Bhagirath (English) & Publicity

Director (T.D.)

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

1
Covering L., YIS